Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यवसाय के आधार - 1

अध्याय - 2
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप

भाग - 9
व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन एवं उनके चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

रूचिका सैनी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. एकल स्वामित्व
2. संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय
3. साझेदारी
4. साझेदारों के प्रकार
5. साझेदारी के प्रकार
6. सहकारी संगठन
7. संयुक्त पूंजी कम्पनी
8. कम्पनी के प्रकार
9. व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन
10. संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन

प्रत्येक स्वरूप के कुछ लाभ एवं कुछ हानियाँ हैं। उचित स्वरूप का चयन कई महत्वपूर्ण घटकों पर निर्भर करता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. प्रारंभिक लागत (Cost in Setting up) :

- एकल स्वामित्व सबसे कम खर्चीला।
- कानूनी औपचारिकताएँ न्यूनतम होती हैं एवं कार्यकलापों का पैमाना छोटा।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

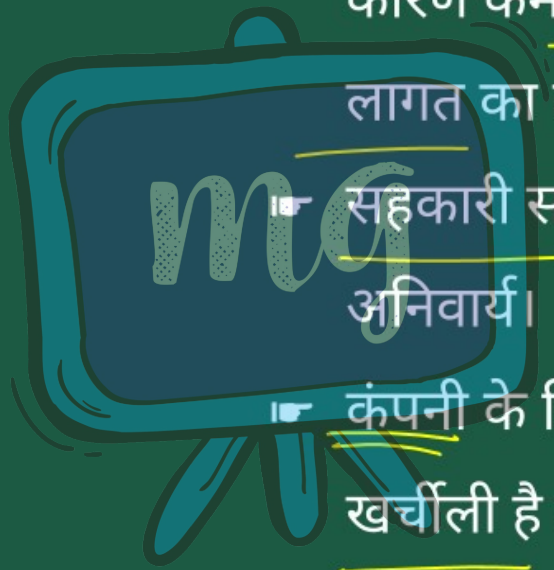

- साझेदारी में भी सीमित पैमाने पर उद्यम के कारण कम कानूनी औपचारिकताओं एवं कम लागत का लाभ प्राप्त ।
- सहकारी समितियों एवं कंपनियों का पंजीयन अनिवार्य।
- कंपनी के निर्माण की कानूनी प्रक्रिया लंबी एवं खर्चीली है एकल स्वामित्व पहली पसंद है, क्योंकि इस पर न्यूनतम व्यय आता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. दायित्व (Liability) : एकल स्वामित्व एवं साझेदारी में स्वामी का दायित्व असीमित होता है। सहकारी समितियों एवं कंपनियों में दायित्व सीमित होता है।

☛ कंपनी की परिसंपत्तियों पर ही संतोष करना पड़ता है।

☛ निवेशकों के लिए कंपनी संगठन अधिक उचित है, क्योंकि इसमें जोखिम बंट जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निरंतरता (Continuity) : एकल स्वामित्व एवं साझेदारी फर्मों में इनके स्वामियों की मृत्यु, दिवालिया होने या पागल हो जाने जैसी घटनाओं से उनकी निरंतरता प्रभावित होती है। संयुक्त हिंदू व्यवसायों, सहकारी समितियों एवं कंपनियों की निरंतरता पर ऊपर वर्णित घटनाओं का प्रभाव नहीं पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. प्रबंधन की योग्यता (Management ability) :

एक एकल स्वामी के लिए प्रचालन के सभी क्षेत्रों में विशेषज्ञों की सेवाएँ प्राप्त करना कठिन होता है। अन्य प्रकार के संगठन, जैसे- साझेदारी एवं कंपनी में इसकी संभावना है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. पूँजी की आवश्यकता (Capital considerations):

- बड़ी मात्र में पूँजी जुटाने के लिए कंपनी अधिक श्रेष्ठ स्थिति में होती है लेकिन एक एकल स्वामी के साधन सीमित।
- यदि प्रचालन बड़े पैमाने पर है तो कंपनी अधिक उपयुक्त रहेगी जबकि मध्य एवं छोटे आकार के व्यवसायों के लिए साझेदारी या एकल स्वामित्व अधिक उपयुक्त।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



6. नियंत्रण (Control) : नियंत्रण एवं निर्णय लेने का पूर्ण अधिकार चाहिए तो एकल स्वामित्व को पसंद किया जाएगा। लेकिन यदि स्वामियों को नियंत्रण एवं निर्णय लेने में भागीदारी से परहेज नहीं है तो साझेदारी अथवा कंपनी को अपनाया जा सकता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. व्यवसाय की प्रकृति (Nature of business) :

- जहाँ ग्राहकों से सीधे संपर्क की आवश्यकता है वहाँ एकल स्वामित्व अधिक उपयुक्त।
- बड़ी विनिर्माण इकाइयों के लिए जहाँ ग्राहक से सीधे व्यक्तिगत संपर्क की आवश्यकता नहीं है, कंपनी स्वरूप को अपनाया जा सकता है।

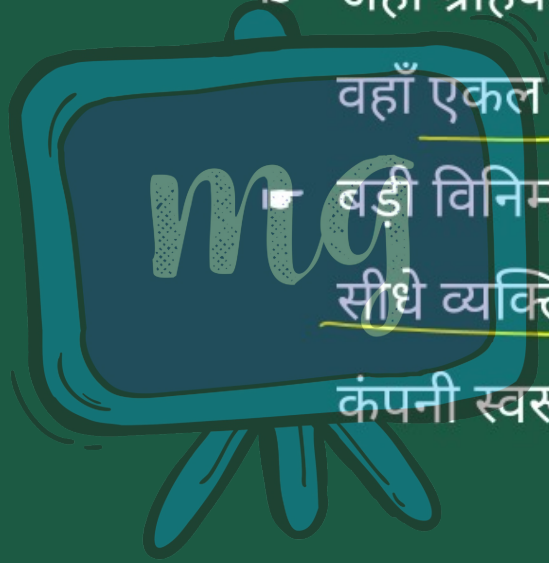

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संगठन के स्वरूप के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक		
पूँजी की उपलब्धता	कंपनी	एकल स्वामित्व
स्थापना की लागत	एकल स्वामित्व	कंपनी
स्थापना आसान	एकल स्वामित्व	कंपनी
स्वामित्व का स्थांतरण	कंपनी	एकल स्वामित्व
प्रबंधन की योग्यता	कंपनी	एकल स्वामित्व
अंतर्नियम	एकल स्वामित्व	कंपनी
लचीलापन	एकल स्वामित्व	कंपनी
निरंतरता	कंपनी	एकल स्वामित्व
दायित्व	कंपनी	एकल स्वामित्व

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संगठनों के स्वरूप का तुलनात्मक विश्लेषण

तुलना के आधार	एकल स्वामित्व	साझेदारी	संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय	सहकारी समिति	कंपनी
निर्माण/ स्थापना	न्यूनतम विधिक औपचारिकताएँ, सरल स्थापना	पंजीयन ऐच्छिक, स्थापना सरल	विधियक औपचारिकताएँ कम, पंजीयन की आवश्यकता नहीं, स्थापना सरल	पंजीयन अनिवार्य विधियक औपचारिकताएँ अधिक	पंजीयन अनिवार्य, निर्माण प्रक्रिया लंबी एवं खर्चीली
सदस्य	केवल स्वामी	न्यूनतम-2 अधिकतम-50	परिवार की संपत्ति के विभाजन के लिए कम से कम दो सदस्य, कोई अधिकतम सीमा नहीं	कम से कम 10 बालिग सदस्य कोई अधिकतम सीमा नहीं	निजी कंपनी न्यूनतम-2 सार्वजनिक कंपनी-7 निजी कंपनी अधिकतम-50 सार्वजनिक कंपनी कोई सीमा नहीं
पूँजी	सीमित वित्त	सीमित, परंतु एकल स्वामित्व से अधिक	पूर्वजों की संपत्ति	सीमित	बड़ी मात्र में वित्तीय संसाधन

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

संगठनों के स्वरूप का तुलनात्मक विश्लेषण

तुलना के आधार	एकल स्वामित्व	साझेदारी	संयुक्त हिंदू परिवार व्यवसाय	सहकारी समिति	कंपनी
दायित्व	असीमित	असीमित एवं संयुक्त	असीमित (कर्ता) सीमित (अन्य सदस्य)	सीमित	सीमित
प्रबंध एवं नियंत्रण	स्वामी ही सभी निर्णय लेता है शीघ्र निर्णय	साझेदार निर्णय लेते हैं, सभी साझेदारों की स्वीकृति आवश्यक	कर्ता निर्णय लेता है	चुने गए प्रतिनिधि, अर्थात प्रबंध समिति निर्णय लेती है	स्वामी एवं प्रबंध पृथक
निरंतरता	व्यवसाय में अनिश्चितता व्यवसाय एवं स्वामी एक ही व्यक्ति	अधिक स्थायित्व लेकिन साझेदारों की स्थिति से प्रभावित	कर्ता की मृत्यु पर भी स्थायित्व आगे व्यवसाय चलता रहता है	पृथक वैधानिक अस्तित्व के कारण स्थायित्व	पृथक वैधानिक अस्तित्व के कारण स्थायित्व

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

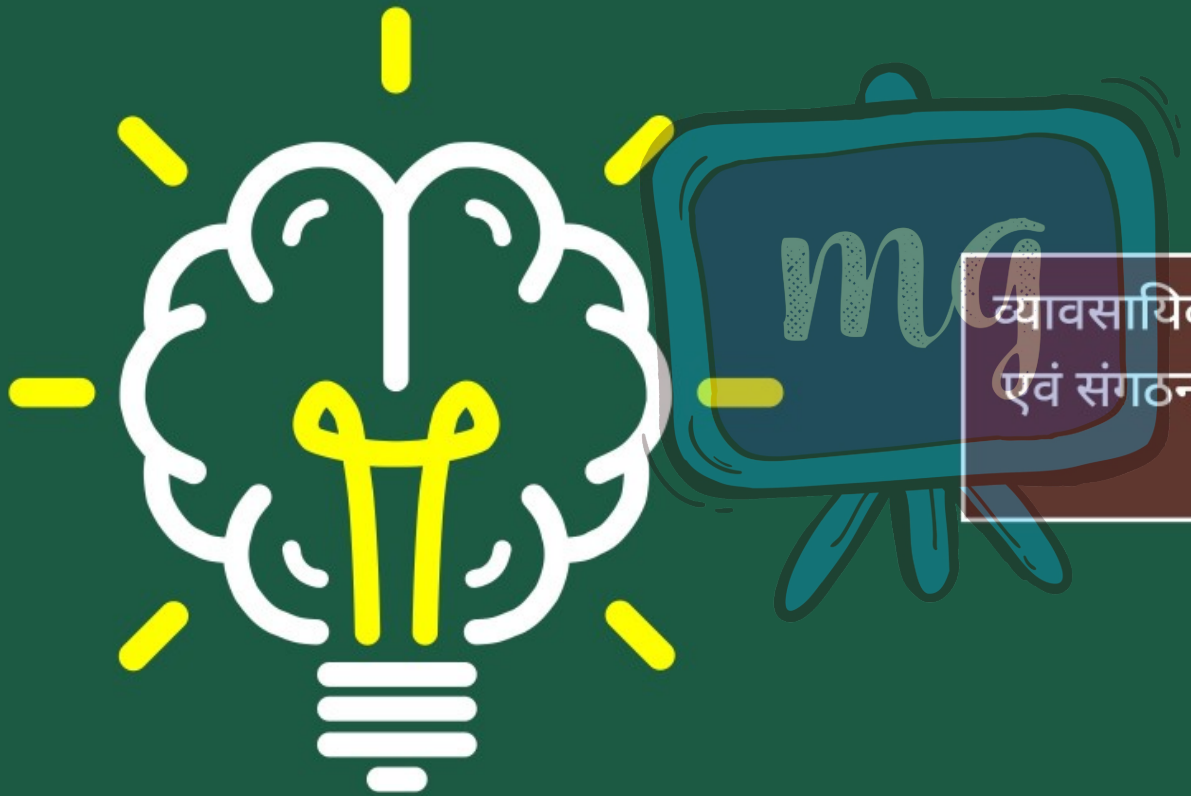

व्यावसायिक संगठन के स्वरूप का चयन एवं संगठन के चुनाव को प्रभावित करने वाले कारक



1 निरंतरता का अभाव किसमें पाया जाता है?

अ कंपनी संगठन

ब संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय

स एकल स्वामित्व व्यवसाय (स)

द इनमें से कोई नहीं



2 अधिक पूँजी किस संगठन में पायी जाती है?

अ एकल स्वामित्व व्यवसाय

ब संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय

स कंपनी संगठन (स)

द साझेदारी संगठन



3 ग्राहकों से सीधे संपर्क किस व्यवसाय की विशेषता है?

अ कंपनी संगठन

ब साझेदारी संगठन

स एकल स्वामित्व व्यवसाय (स)

द संयुक्त हिन्दू परिवार व्यवसाय